भारत सरकार

**इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 415**

जिसका उत्तर 27 नवंबर, 2024 को दिया जाना है ।

6 अग्रहायण , 1946 (शक)

**सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की स्थापना करने हेतु नीति/योजना**

**415. डॉ. लता वानखेड़े**:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश के विभिन्न भागों में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की स्थापना करने हेतु कोई विशेष योजना अथवा निवेश नीति तैयार कर रही है ताकि बड़े शहरों के बाहर और अधिक कंपनियों की स्थापना को बढ़ावा दिया ज सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार का विचार पहले से ही तकनीकी और शैक्षणिक रूप से संसाधन युक्त छोटे और मध्यम शहरों को सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्रों के रूप में विकसित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)**

**(क)** और **(ख)**: भारत सरकार छोटे शहरों और कस्बों में आईटी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और इस संबंध में आईटी उद्योग के विकास के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। आज भारत को दुनिया भर में आईटी हब के रूप में जाना जाता है।

इस दिशा में किए गए प्रयासों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) योजना सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत, भारत भर के 65 शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं, जिनमें भागलपुर, इंदौर, राउरकेला, मदुरै, कोहिमा आदि जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों में 57 केंद्र शामिल हैं। एसटीपी केंद्र इनक्यूबेटर सुविधा प्रदान करते हैं जो उद्यमियों को अपने अभिनव विचारों को स्टार्टअप के रूप में बदलने में मदद करते हैं। इनक्यूबेटर सुविधा वेंचर कैपिटलिस्ट (वीसी), आईआईटी/एनआईटी/उद्योग सलाहकारों जैसे निवेशकों से मिलने और आईटी पेशेवरों आदि के साथ नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करती है।

आज दुनिया की शीर्ष कंपनियों ने भारत में अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित किए हैं। वाहन इंजन, सेमीकंडक्टर चिप्स, बड़ी मशीनरी जैसे उत्पाद इन भारतीय जीसीसी से डिजाइन किए जा रहे हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 1800 जीसीसी हैं, जिनमें लगभग 19 लाख लोग कार्यरत हैं। इसके अलावा, सरकार उद्योग के लिए तैयार प्रतिभा पूल बनाने के लिए पाठ्यक्रम को भी आधुनिक बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

******